

युवा प्रभाग-दिव्य दर्पण ग्रुप
नवम्बर 09 मास के पुरुषार्थ की प्वाइंट्स

नवम्बर मास का चार्ट:

लक्ष्य – इन्तज़ार छोड़ो, इन्तज़ाम करो।

हम सभी रचयिता के बच्चे मा.रचयिता हैं। हमें समय का इन्तज़ार नहीं करना है परंतु स्वयं सम्पन्न बनकर समय का आह्वान करना है। समय तीव्रता से आगे दौड़ रहा है तो क्या उसी तीव्रता से हम परिवर्तन हो रहे हैं? अभी बाबा बाप के रूप में रहमदिल बनकर पार्ट बजा रहे हैं लेकिन जब धर्मराज का पार्ट आरम्भ होगा तो बाबा कुछ भी नहीं करेंगे। धर्मराज के रूप में भी बाबा, वाह! बच्चे वाह! के गीत गायें, ऐसा हमें पुरुषार्थ करना है।

आओ हम सभी मिलकर ऐसा पुरुषार्थ करें जो बाबा को हम बच्चों पर नाज़ हो और विश्व के आगे हम चैतन्य सितारे प्रत्यक्ष हों।

इस मास हम अपना जमा का खाता बढ़ाने का संकल्प करेंगे:

विधि :

सप्ताह	दिव्य दर्पण के खाते
प्रथम	तन – श्रेष्ठ कर्मों का खाता
दूसरा	मन – शुभ संकल्पों का खाता
तीसरा	धन – पुण्य का खाता
चौथा	जन – दुआओं का खाता

1. तन : श्रेष्ठ कर्मों का खाता - श्रेष्ठ वा असाधारण कर्म तब ही सम्भव है जब हम आत्मिक स्थिति में स्थित होकर कर्म करते हैं। हर प्रकार के कर्म के लिए बाबा ने हम बच्चों को श्रीमत दी है। कोई भी कर्म करने से पहले स्वयं से पूछें कि क्या यह कर्म श्रीमत अनुसार है? सारे दिन में कौन-सा कम से कम एक श्रेष्ठ कर्म किया वह सार में लिखें। अगर किया हो तो ✓ निशान लगायें, नहीं तो ✗
2. मन : शुभ संकल्प का खाता – विशेष अमृतवेले 10 मिनट हर परिस्थिति के प्रति, हर आत्मा के प्रति वा हर सेवा के प्रति हमें सफलता का वा कल्याण का शुभ संकल्प करना है। अगर 10 मिनट मनसा सेवा की हो तो ✓ निशान लगायें, नहीं तो ✗
3. धन : पुण्य का खाता – हम आत्माओं के पास ज्ञान, गुण एवं शक्तियों का अमूल्य धन है। उसे महादानी बन कितनों को दिया? कम से कम एक आत्मा को देना ही है। अगर दान दिया हो तो ✓ निशान लगायें, नहीं तो ✗
4. जन : दुआओं का खाता – दुआओं का खाता जमा करने की विधि है सर्व को सुख देना और सुख लेना। सारे दिन में कम से कम एक आत्मा को सुख दिया? किस विधि से? अगर सुख दिया हो तो ✓ निशान लगायें, नहीं तो ✗

❖ फ्रेमबुक में ऊपर चार पंक्तियों में निम्नलिखित बिन्दु लिखकर उसका परिणाम प्रतिदिन रात को सोने से पहले लिखें:

1. गुड मॉर्निंग - 3.30
2. अमृतवेला - 3.30 से 4.45, बाबा के कमरे में
3. व्यायाम/पैदल - हाँ जी
4. ट्रैफिक कंट्रोल - 5
5. मुरली क्लास - क्लास में सुनी
6. अव्यक्त मुरली पढ़ी? - हाँ जी
7. स्वमान की स्मृति - बहुत अच्छी
8. नुमाशाम का योग- हाँ जी
9. जमा किया: ✓
10. गुड नाइट- 10.30

❖ इस मास में स्वमान को मनन करके इसी नशे में रहेंगे कि मैं कौन-सी आत्मा हूँ? यह नशा रहे तो कारण जो है वह शब्द मर्ज हो जायेगा और निवारण, हर कर्म में दिखाई देगा। जब निवारण स्वरूप बन जायेंगे तो सर्व आत्माओं को निर्वाणधाम, मुक्तिधाम में जाने का रास्ता बताकर मुक्त कर सकेंगे।

❖ दिव्य दर्पण के विशेष अभ्यास के साथ-साथ फ्रेम बुक में आज की मुरली के पश्चात् कम से कम 21 बार आज का स्वमान लिखना है या चिन्तन कर 10 प्वाइंटस लिखनी है एवं कोई अनुभव हुआ हो तो वह ज़रूर लिखें।

❖ स्वमान:

1. मैं महान आत्मा हूँ।	16. मैं आत्मा पुण्यात्मा हूँ।
2. मैं आत्मा हर कर्म को यादगार बनाने वाली हूँ।	17. मैं आत्मा महादानी हूँ।
3. मैं आत्मा श्रेष्ठ कर्म करने के लिए अवतरित हुई हूँ।	18. मैं आत्मा गुणदानी हूँ।
4. मुझ आत्मा का करनकरावनहार बाबा है।	19. मैं आत्मा मा.सर्वशक्तिवान हूँ।
5. मैं आत्मा निःस्वार्थ सेवाधारी हूँ।	20. मैं आत्मा सर्व प्राप्तिओं से सम्पन्न हूँ।
6. मैं आत्मा श्रीमत का हाथ पकड़कर चलने वाली हूँ।	21. मैं आत्मा सर्व खजानों की मालिक हूँ।
7. मैं आत्मा निमित्त हूँ।	22. मैं आत्मा पद्मपति हूँ।
8. मैं आत्मा विश्व कल्याणकारी हूँ।	23. मैं आत्मा ज्ञान रत्नों से खेलने वाली हूँ।
9. मैं आत्मा साक्षात्कारमूर्त हूँ।	24. मैं आत्मा सुखदायी हूँ।
10. मैं आत्मा पूर्वज हूँ।	25. मैं आत्मा रहमदिल हूँ।
11. मैं आत्मा पूज्य हूँ।	26. मैं आत्मा क्षमाशील हूँ।
12. मैं आत्मा यज्ञ रक्षक हूँ।	27. मैं आत्मा स्नेह सम्पन्न हूँ।
13. मैं आत्मा आधारमूर्त हूँ।	28. मैं आत्मा साक्षात्कारमूर्त हूँ।
14. मैं आत्मा कल्प वृक्ष की जड़ों में हूँ।	29. मैं आत्मा सहयोगी हूँ।
15. मैं आत्मा विश्व परिवर्तक हूँ।	30. मैं आत्मा सर्व स्नेही हूँ।

❖ हर मास के प्रथम सप्ताह में यह पोस्ट कार्ड लिखकर महादेवनगर युवा प्रभाग कार्यालय में भेजना है। अगर आप मर्यादा पुरुषोत्तम ग्रुप में शामिल होना चाहते हैं तो पोस्टकार्ड में ज़रूर से लिखें:

नाम: _____	सेन्टर का नाम: _____	DiDar No: _____
गुड मॉर्निंग-90%	अमृतवेला-75%	
व्यायाम/पैदल-80%	ट्रैफिक कंट्रोल-45%	
मुरली क्लास-90%	नुमाशाम का योग-45%	
स्वमान की स्मृति-55%	अव्यक्त मुरली पढ़ी?-80%	
जमा किया -70%	गुड नाइट-95%	
चार्ट: OK या OK	टीचर के हस्ताक्षर	
मैं मर्यादा पुरुषोत्तम ग्रुप में जुड़ना चाहता हूँ।		